

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00060766

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Rajkesh Meena

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिंदी

तारीख
Date

25-08-2024

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre Delhi-MN

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

Rajkesh

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

साधन से तात्पर्य लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयुक्त उपकरणों से है। (अर्थात्) गांधीजी द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अहिंसा और सत्याग्रह साध्य के साध्य लक्ष्य प्राप्त किये हैं। (अर्थात्) स्वतंत्रता, समानता

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता :-

① लोकरॉज की स्थापना का 2001 में अफगानिस्तान में UN forces का लक्ष्य था लेकिन साध्य अहिंसा और अन्न प्रयोग था। अतः यह साध्य उचित नहीं था

② कानून और व्यवस्था की स्थापना के नाम पर paramilitary forces अथवा ARSPA अक्ट 1958 का प्रयोग उचित लक्ष्य के प्राप्ति का साधन नहीं है। क्योंकि इसके स्थायी शक्ति उत्पन्न नहीं हो सकती।

साधन की साध्य की पहचान निर्धारित करते हैं।

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

① मार्सेन लूथर द्वारा धर्म सुधार आंदोलन
के दौरान पोप-के मोचन पत्रों की
निंदा द्वारा लहीं रास्ता अपनाकर (शांतिपूर्ण
प्रोद्य) उद्य ही अधिधर्म सुधार आंदोलन
चल सके।

② नेल्सन मंडेला ने रंगभेद के खिलाफ
अच्छीना संविधान में उच्चदान कर स्थायी
साध्य (रंगभेद समाप्ति) को अपने
साधनों में (संविधानिक) प्राप्त किया।

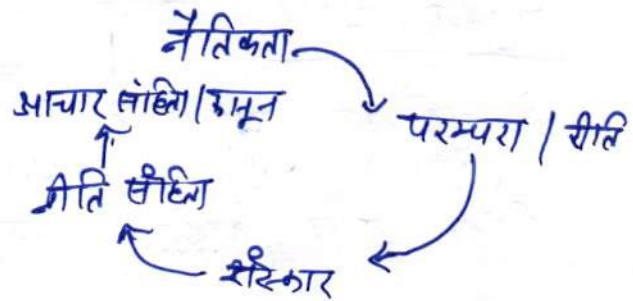
कुल - मिलानर उचित साधन की उचित
साध्य को निर्धारित करते हैं। यही परिणाम-
निरपेक्षवादी दार्शनिकों (गंट, जीता, गोष्ठी) ने
कहा है।

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10



नैतिकता व सामाजिक परिवर्तनों द्वारा धीरे-धीरे स्थायित्व ग्रहण कर कानून का रूप ले लेती हैं। निम्नलिखित उदाहरणों से इसे हम समझ सकते हैं।

① सती प्रथा पहले एक परम्परा थी एवं नैतिक मानी जाती थी लेकिन आधुनिकीकरण ने इसके अमानवीय घोषित कर गैर-कानूनी घोषित कराया

② संभवतः कुछ कानून हमें नैतिकता की राह पर चलना सिखाते हैं।
जैसे - सिविल सेवा आचार संहिता 1952
भारतीय संविधान

3) कुछ कानून और नैतिकता दोनों मिलकर
शुद्धी कर्षण व सफलता या स्वास्थ्य परम्परा
के लिए आवश्यक हैं।

(जैसे) खेल में खेल भावना और Antidoping
[नए दूज उत्पादन के कुछ नैतिकता
और कानून की परिभाषा करनी]

4) वर्तमान सामाजिक परिवर्तन आनुवंशिकी के
ने प्रभावित होकर दोनों को प्रभावित करता
है।

- (उदा.)
- ↳ मानवाधिकारों पर कल
 - ↳ स्त्री पुरुष समानता
 - ↳ लोकतंत्र
 - ↳ समतावली समाज आदि

कुल मिलाकर सामाजिक गतिशीलता कानून
और नैतिकता को निर्णय प्रभावित करती है।

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

10

शुचिता

उपयुक्त नियमों अत्युत्प
निर्णय लेना और
जालगी पर जिम्मेदारी
स्वीकारना

- उदा० ① लाल बहादुर शास्त्री
जीने रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी
स्वीकारते हुए रेलमंत्री के
पद छोड़ दिए
- ② Jasinda Ardern
New Zealand Pm
इस दुसरी पीढ़ी के दृष्टि में
पद छोड़ा

सत्यनिष्ठा

सिद्धांत एवं व्यवहार
में आंतरिक जुड़ावगति

- उदा० ① अशोक खेमराज
इस भूमि अख्यकार उजागर
- ② गोपीजी इस स्वतंत्रता
आंदोलन में सत्य एवं
आहिंसा का मार्ग

**उपयुक्त मूल्यों का नैतिक अभिशासन में योगदान
संघ निर्णय-निर्माण**

- ① शासन में पारदर्शिता
- ② जनजागीदारी, जनता प्रशासन के बीच
दूरी कम होगी
- ③ प्रशासन परिचालनकारी निर्णय भी निर

होकर ले लेंगे।

- ④ भाई-भतीजावाद, ब्रह्मचार का अंत
- ⑤ सामाजिक जाय की स्थापना में महत्त्व
- ⑥ समतावादी समाज को बढ़ावा
- ⑦ कानूनों का उचित क्रियान्वयन
- ⑧ विवेकाधीन धर्मियों पर नियंत्रण संभव

कुल मिलाकर ये दोनों मूल्य प्रशासन
में महत्वपूर्ण हैं एवं शासन को
पारदर्शी, जवाबदेही बनाये रखते हैं।

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

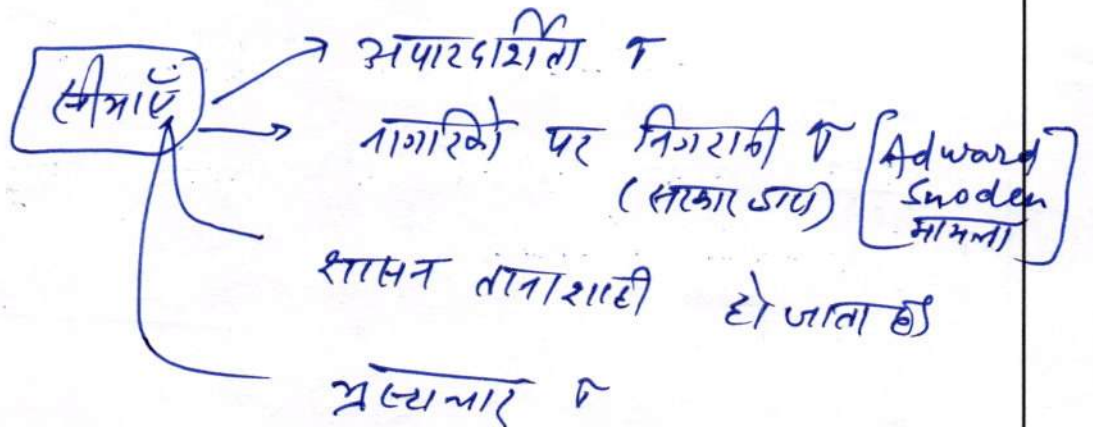
Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

RTI Act और OSA 1923 की कुछ धारणाएँ
गुप्त सूचना बनाए रखने के नैतिक निहितार्थ

- देश की एकता एवं भ्रष्टाचार को नष्ट
- विदेशी संबंधों को बढ़ाए रखने
- गुजराल मिश्र और पंचश्रील सम्प्रदायों के अध्याय में रखकर
- उनी चर्चा की निजता का सम्मान
- कानून - व्यवस्था बनाए रखने के लिए
- राजद्वार जैसी उच्चतमों की एकेचाम के लिए



पारदर्शिता नोलेन सतिरि अथ प्रतिपादिते एक महत्त्वपूर्ण मूल्य है यह शासन के खुलेपन एवं जनजागीरती को बढ़ावा देता है।

पारदर्शिता का जवाबदेही पर असर एवं अस्थान

- ① लोगों की जागीरती अधिक होती। जिनसे वे उत्तरदायी साकार जायेंगे
- ② लोग जागरूक होंगे वे अपने अधिकारों की मांग करेंगे
- ③ अनैतिक शासकीय प्रथाओं का खतमा होगा
- ④ निर्भय निष्पत्ता से होंगे न कि भाई भ्राताजवाह तबे जालझिती शरीर के

कुल मिलाकर गुप्त सूचना एवं पारदर्शिता के बीच अन्तर कमलत ही लोडिंग एवं पुशाहते की स्थापना में महत्वपूर्ण है।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?
(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

गांधीजी घर के विहित मूल्यों के स्कूल के ज्येष्ठ उदात्त मूल्यों से भी ज़्यादा मानते थे उनका मानना था कि घर में व्यक्ति अपने आधे-अधे मूल्य सिखता है। जैसे

- (i) भाई-बहन से → बहिष्कार, प्रेम, स्नेह, समानता
(ii) दादा-दादी से → ज्ञान, निस्वार्थ प्रेम, अभिनव, संस्कार, संस्कृति
(iii) संबंधियों से → जिम्मेदारी निभाने की शक्ति और उत्तरदायित्व लेने की शक्ति
(iv) माता-पिता → सुरक्षा, शिक्षा, निस्वार्थ प्रेम आदि

साथ ही गांधीजी सद्गुणी माता-पिता के लक्ष्योन्मुख शिक्षित मानते हैं क्योंकि माता-पिता प्रथम-प्रदर्शक के रूप में बच्चों के आचरण का निर्वाहते हैं वह उनकी युक्ति

हमेशा बिना स्वार्थता के बच्चों के अधिकतम
निर्माण ही केन्द्रित रहनी है (जैसे) बच्चों
को अपराधी गतिविधियों में जाने से रोकना;
हमेशा उचित मूल्यांकन जीवन में समावेशन
करना आदि

स्पष्ट है कि मूल्य विद्या के ज्ञान गान्धीजी
लक्ष्य था जो स्वदेशी हटाने और
अपने मातृदेश के कारण सद्गुणी माला-पिन
को स्वदेशी ब्रिड का दर्जा देते हैं। गान्धीजी
अपने विद्या या अध्येत आदि कहते हैं। मनी
माला पुतली आई का विशेष उल्लेख मानते हैं।

उम्मीदवारों को
इस हार्गिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्डिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

" मैं जीवन भर आरिना साफ़ इलाक़ा रहा लेकिन धूप मेरे चेहरे पर थी। "

अपरोक्ष दोष टॉल्स्टॉय की दृष्टि से मंच इलाक़ा है जहाँ अपनी गलतियों इलाक़ों पर धोपने की बजाय खुद को स्वीकार करने की-बिश्वासी-पारवी है

हर श्रेण में दुनिया में बदलाव ठीकी इस दृष्टि से बदले नजरिये से ही आता है नकि इसमें ही बदलते या सामूहिक बदलाव से जैसे

एकलित आरा कल्प अ भाविकार

अधुना आरा गुलवाकफ़ा किडान

इन दोनों ने खुद को बदला कड में इनकी बल को समुक्त दुनिया ने स्वीकार आर-अं दोनों भाविकार महत्वपूर्ण है

आज के कटारवादी दौर में युद्ध, तैयारी, चालें, लूटपाट मयराज के खालों के लिए युद्ध की कदमों की आवश्यकता है ताकि लोग हमारे पेशे धोके स्वयं को बचाना सीखें।

॥ कुश जो देवता में चल कुश न मिलया कोई जब दिन खोजा आपना मुझसे कुश न करि ॥॥

कबीर दास इस दोहे में समता का संदेश देने हुए स्वयं के बदलाव की बात को स्वीकारते हैं। अचर्यचर्य ^{सिद्धि} _{सिद्ध} भी - सब बदलाव की बात करता है।

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

उपरोक्त कथन ब्रह्म प्रवृत्तियों के उन्मूलन
स्वै शून्यता के शासन में समावेशन पर बल
देता है। यदि हर व्यक्ति अपना मार्गदर्शन
छुड़ बन सके।

उशासन में आजकल ग्राह्यकार का उन्मूलन
स्वयं सुधार से ही संभव है। आजकल विश्व
में बढ़ती मात्रवीय चिंताएँ शृणा, सम्प्रदायवाद
भुद्ध, कॉल्टवार, भूमि विवाद, जमाखोरी, शारणात्री
लिकट आदि व्यक्तिगत स्वयं को न बदल
पाने के कारण ही हैं।

जैसे भुद्ध गलत है लेकिन उसे वर्तमान
में करना कायरता है क्योंकि मानव ही
सभी जन्मात्में का समाधान एकलम से
ही करता है। राष्ट्रपति विकास की दिशा

पंक्ति में हमें राह दिखाती है।

66 खींचो न कमानों से न तलवार निकालो।
एक तोप मुकाबिल है तो अस्त्रधार निकालो।”

वर्तमान से लड़ी का पड़ा न होना और तटस्थ
बने रहना भी आवश्यक है जैसे जलवायु
परिवर्तन के कारण शरणार्थी एवं विस्थापन
परिदोषों द्वारा निर्मित न लेना सचता है।

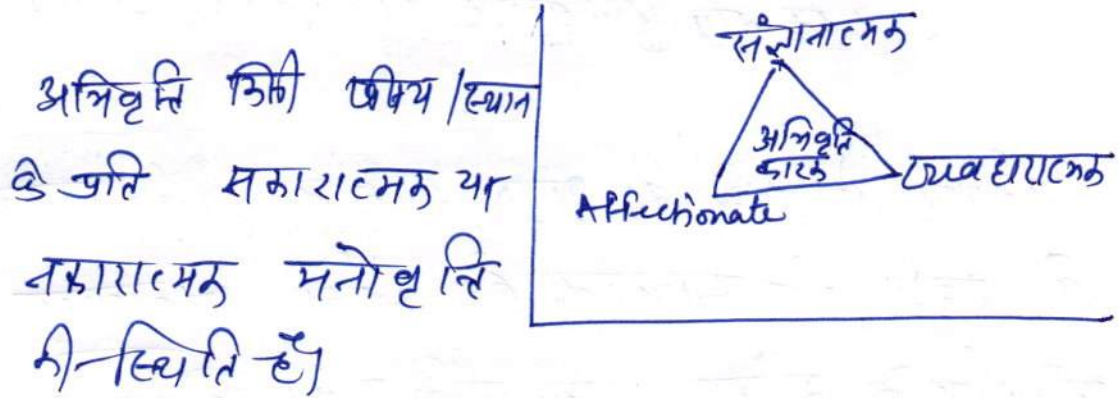
66 सम्रा शेष है अथवा पाप का भागी केवल आष, ।
जो तटस्थ है समग्र लिखेगा उनका भी-सतिधाम ॥”

अभि: कल्पयुशियस का लड़ी के प्रति उक्त
उक्ति को मानवता को लड़ी राह दिखाते में सपादि है।

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10



सकारात्मक अभिवृत्ति निर्माण के कारक

- ① लक्ष्य प्राप्ति में सहायक थे
जैसे अच्छी किताबों के प्रति कन्चों की रुचि है
यं सफल बनती है।
- ② अपेक्षित ज्ञान
↳ जिसमें विशेष अग्रणी ज्ञान सकारात्मक अभिवृत्ति करता है।
जैसे तकनीकी के प्रति शिक्षित व्यक्ति
- ③ नकारात्मक कुदृष्टि
एक सकारात्मक व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में सकारात्मक निर्णय रखता है।
- ④ समाधान प्रस्ताव — प्रस्तुत समाधान

हो तो हमेशा सकारात्मक अक्रियता होती है।
जैसे USA में R&D पर पर्याप्त बजट होता
है अतः वहाँ नवाचार पर अधिक बल

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

अक्रियता
सकारात्मक/निष्क्रिय नवाचार की कार्यक्षमता में योगदान

- ① वर्तमान अज्ञानवाद, आक्षेपवाद की राजनीति में
क्षेत्रीय पक्षों के साथ समन्वय स्थापित
- ② जन दबाव को प्रभावी रूप से अनेक में लक्ष्य
- ③ बार-बार सूत्रपर एवं राजनीतिक दबाव
अनेक में लक्ष्य
- ④ समाधान ढूँढना एवं कभी-कभी असाध्यता
के विचारण में
- ⑤ निजी तार्किक संबंध प्रबंध में

स्पष्टतः सकारात्मक अक्रियता निष्क्रिय
नवाचार की कार्यक्षमता बढ़ाकर प्रशासन
की कार्यक्षमता एवं प्रभावशीलता बढ़ाती है।

4. (b)

^{EI}
चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

EI से तात्पर्य है खुद के लक्षणों को पहचानने, नियंत्रण करने, प्रेरित करने एवं उच्च आवश्यकता अनुकूल्य उपयोग करने है। (उत्तरितल गौलमान)

गौलमान द्वारा EI के 5 लक्षण

- Self Awareness
- self motivation
- self control
- sympathy
- social skills

EI का संसाधन आवंटन निर्णय पर प्रभाव

① वह जो आवश्यकता को पहचानकर कुशल लक्षिके सेवक अनुपालि धन आवंटन करता है।
② पूर्ण रूप से उच्चगरी अपचांघरक हाय प्रिस्थानय जीवन निर्णय के लिए उभर धन के बावजूद बॉल के शक्नों का निर्णय

② जायमिकता का चयन EI अनुकूल्य लानि अलगाववास, गमनलवास, गमवास से का पहले जायमिकता

- ③ जन गणनाओं का सम्मान करना तथा सभी के साथ समता से पेश आना
- ④ आंदोलन की अडोशाचमूक व्यक्तता से सम्पन्न अधिकारी हर पाता है।
- ⑤ सामाजिक समता, प्राणाजिक व्याप जैसे सिद्धांतों द्वारा से सम्पन्न व्यक्ति प्राथमिकता में ध्यान रखता है।

एक व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक भांडि सभी आयामों में समन्वय करने में सक्षम बनाना है।

5. (a)

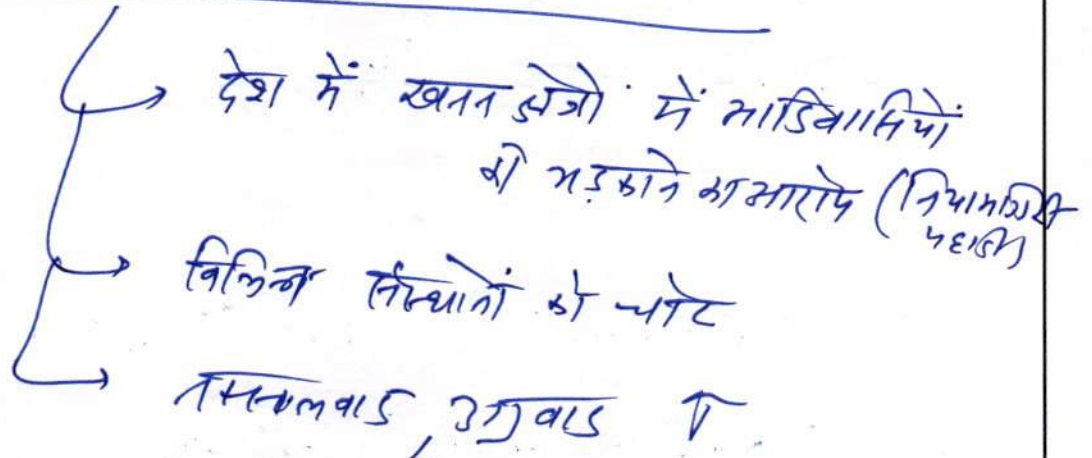
विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

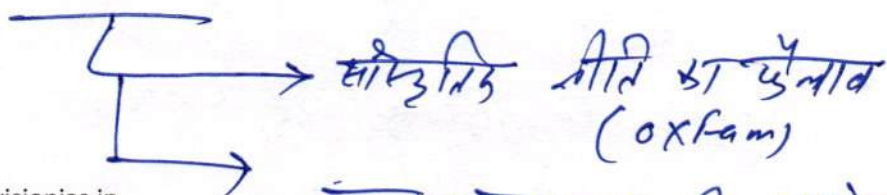
अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन जैसे Red Cross Society (Medical), Report without Borders (अनियंत्रित क्षेत्रों) & Amnesty International (मानवाधिकारों) विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की सहायता कर रहे हैं।

नैतिक चुनौतियाँ

① राष्ट्रीय संप्रभुता हानि का मुद्दा



② मानवाधिकार के नाम पर भयानक घटनाएँ का प्रसारण



③ नियमन का अभाव

- ↳ इनका कोई नियमन नहीं
- ↳ ये 'राष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना

④ इनकी रिपोर्टें 'Prejudice' में नहीं

- ↳ Global Hunger Index (भारत के गलत आँकड़े उपयोग)
- ↳ भारत का पत्र 'वेडनेस' में मारपी-

लगातारों के मार्गदर्शक सिद्धांत

- ① मानवाधिकारों पर UN घोषणा
- ② दूरस्थ शिप सिद्धांत
- ③ जिबेवा कन्वेंशन और अन्य प्रोटोकॉल
- ④ मानवता का सर्वांगीण विकास

कुल मिलाकर ये सिद्धांतों का अचित
नियमन इनकी उपलव्धता को बढ़ाने में
सहायक होगा

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

अनुनय से राज्यार्थ दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता होती है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता की शुरुआत लोगों को साँझों का लक्ष्य का महत्व

महत्वपूर्ण संकेत क्यों

- ① लोगों को प्रभावित करने की क्षमता
उदा० गांधी, हिरदार
- ② विरोधों के बीच सामंजस्य स्थापित
उदा० भारत का विभिन्न परमाणु समझौते NPT में शामिल होने के कारण
- ③ लॉजिक पॉवर बढ़ाने एवं सिविल सेवकों की निष्कलनियता बढ़ती है।
- ④ संसाधनों की सीमित क्षमता में लोगों से सहयोग एवं सहयोग के प्रति

मार्गदर्शन करने वाले विचार

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

① कौन ? → यह व्यक्तिव या निम्नी करता है की कौन मार्गदर्शन कर रहा हो जैसे गान्धीजी की स्वीकारता अधिक है उनका अनुभव सभी ने किया

② कैसे ? → प्रत्यक्ष मिलन या दूरनी दक्ष से प्रत्यक्ष मिलकर ज्यादा प्रभावी जैसे जोर बैठे के लिए सननेता साथ

③ क्या ? → जनता का लाभ या स्वयंसेवा लाभ जन हितोंकी मुद्दों पर लोग अधिक-उत्तम

④ समतावादी, इतरशिप, लोकतंत्र सर्वथा निम्नी प्रादुर्भूत व्याप के लिए ये सिद्धांत मार्गदर्शक हैं

कुल मिलाकर अनुभव निम्नी सेवकों के निम्नी आवश्यक है यह परिधों में सामंजस्य करता है

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्गिण में नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार सार्वजनिक सलघनोंके निरूपण
के में प्रयोग- सो सलघन है
(2nd ARE 4th report)

भ्रष्टाचार नियंत्रण के लिए नैतिक नेतृत्व की भूमिका

1) सामाजिक दबाव → व्यक्ति पर स्वयंसेवा

अर्थ: यह अधिक कार्य करना है

2) चेरिश्माई व्यक्तित्व का अनुकरण

ई. प्रीधन, अकोठ खेमका जैसे लोगों का
छेद्व लोग जल्दी स्वीकारते हैं। उनसे
कत भी

3) स्वयंसेवा शैली की प्रभावकारिता ज्यादा प्रभाव डालती

है जैसे pm मोदी साक्षर वैश्विक मंच पर

4) सुरूपाल, CBI जैसे संस्थाओं पर

उच्च नैतिकता सम्पन्न व्यक्ति- तैयारी
हमें नैतिक मार्गदर्शन करती है।

(5) राष्ट्रीय आंदोलन के नेतृत्व का महत्त्व
करना जैसे नेहरू, गांधी, पटेल का प्रभाव

(6) आत्मप्रेरणा | अंतर्यामी की अजबान भी
हमें स्वं प्रत्येक निर्णय के लिए
प्रभावित करती है।

कुल- मिलाकर प्रत्येक निर्णय में नैतिक
निर्णय है कानूनी, विधानी आदि कार्यों के
अधिक प्राथमिकता है।

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिस में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना (1875) और सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथालय (1875) उक्त "वेदों की ओर लौटो" का नारा हमें नैतिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रमुख शिक्षाएँ

- ① स्वदेशी के प्रबल समर्थक
↳ कसब बिना हट स्तर पर
- ② समपता का सिद्धांत (स्त्री-पुरुष, जाति भेदनाश)
- ③ सामाजिक सुधारों पर चोट (शूद्रों का बाल विवाह)
- ④ प्राचीनता के प्रति अधिक लगाव
↳ "वेदों की ओर लौटो" का नारा
- ⑤ धार्मिक शुद्धी के समर्थक (शुद्धी आंदोलन)
- ⑥ हिंदी भाषा के प्रबल समर्थक
(हिंदी में अधिकांश लेखन कार्य)

जामंगिकता

उम्मीदवारों को
इस हार्गिफ में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- ① वर्तमान सभ्यताका के निवारण में शक्ति आंदोलन मार्गदर्शक
- ② वैदिकीय के बारे में लवसेरी, स्वभाषा का समर्पण जिनाषा का पूरुष एवं राजनीतिक मन्त्रा निवारण में लक्षण
- ③ सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में लक्षण
- ④ धार्मिक लक्ष्यता के बारे में जानीनता के मूल्यों (सर्वधर्मसमभाव, लक्ष्मिभुत) पर कल
- ⑤ सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर कल

कुल मिलाकर 3-4 शिक्षा आज के बारे में अनेक समाचारों का समाधान लुप्तानी है

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- (a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- (b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- (c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

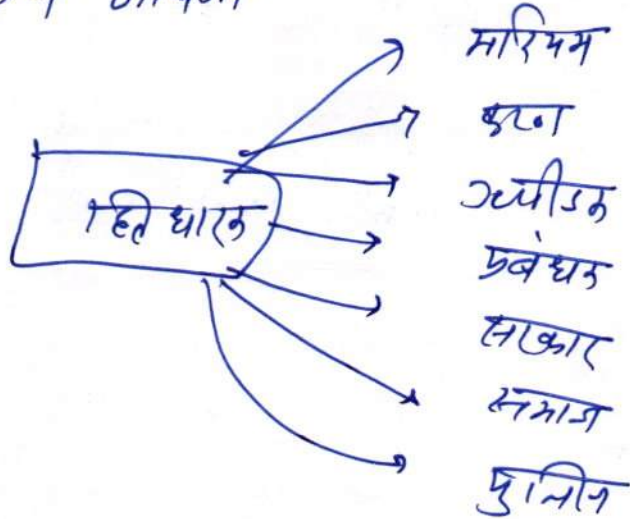
Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- (a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- (b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- (c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

Ans.

उपरोक्त मामला यौन उत्पीड़न से संबंधित है।
इसे Sexual Harassment Act 2013
के विभिन्न प्रावधानों एवं नीतियों अंतर्गत समाधान
दिया जाएगा।



उम्मीदवारों को इस कश्चिमें नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans-a

बहना रिपोर्ट पर कृपण व्यवसाय समाप्त की जाने वाली
नैतिक दुष्प्रथा

① स्वै के प्रति अत्याचार होने का इन्हें क्या नैतिक प्राप्ति

↳ अधिकार में उसे भी उत्पीड़न का
शोषण सेना उलना नैतिक-साधिकायों
शिक्षा देना पड़े

②

महिलाम की निजता का सम्मान करना स्वस्थ
कार्य संसृति का मुद्दा →

एक ओर सखी रिजता उल्लंघित वही कार्य संभ्रमि का अस्वास्थ्य वातावरण निर्मित होगा

उम्मीदवारों को इस इतिहास में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

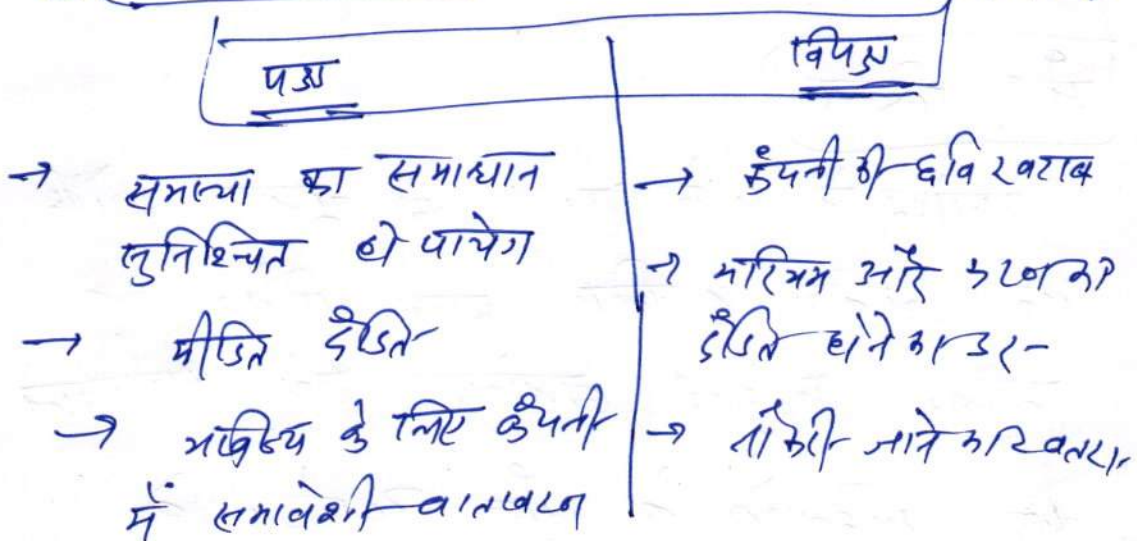
③ कंपनी की छवि खराब बनाएँ कंपनी में उनका भविष्य का प्रश्न

④ कानूनी कठिनाई बनाएँ सामाजिक दायित्व का भी मुद्दा उपरोक्त मामले में हावी हो

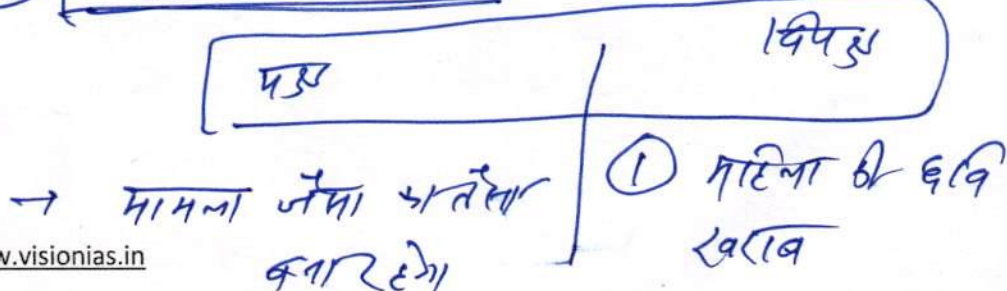
Ans. b

अपलब्ध विकल्प एवं उनका भूखंड

① शिकायत कर देवे Internal Complaint (निकाशिका)



② शिकायत व हटे



→ मरियम सारे कटा
सोफेरी में बने लहंगे

→ सोफेरी लोग भागे
न शोका करते रहेंगे

② कंपनी नीति एवं
POST ACT का उल्लंघन

③ मानवता के विरुद्ध
ACT

① समाजवादी लक्ष्य

इसकी प्रवृत्तियों को इन स्थिति में खूब कटाकर
उपयोगों को चलावनी या कल्याणकारी कार्यवाही
(केन्द्र होता भादि) की जा सकती है
_{प्रशासन}

मैंरा विकल्प

अपरोक्ष में से मैं व. 1 से युक्ताना क्योंकि
यह विकल्प के लिए कार्य परिवेश का
स्वस्थ मजदूर कृतानुभवा एवं कार्यस्थान
धर महिलाओं के पास उपकीर्ण के
विरुद्ध स्वस्थ लक्ष्य उगा

Aus. 6

संगठन की जिम्मेदारियाँ

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ① Internal Complaint समिति गठित करे (महिला अध्यक्ष)
- ② प्रशाखा निर्देशों (SC) एवं Posh Act 2012 का समर्थन एवं निर्णय करे
- ③ शिफारस करने का समर्थन वास्तविक बनाये।
- ④ महिलाओं के लिए सौहार्दपूर्ण परिवेश का निर्माण करे
- ⑤ योग्य महिलाओं को शीर्ष पदों पर नियुक्त करे
- ⑥ उचित संवेदीकरण प्रक्रिया
- ⑦ चयन के समय कर्मचारियों के पूर्व रिपोर्ट अध्ययन

नियुक्ति: उपरोक्त उपाय एवं पहले शिफारस का शिफारस दर्ज कराने के बाद इस स्थिति में निकले हैं नए पदों पर,

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- (a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- (b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- (c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

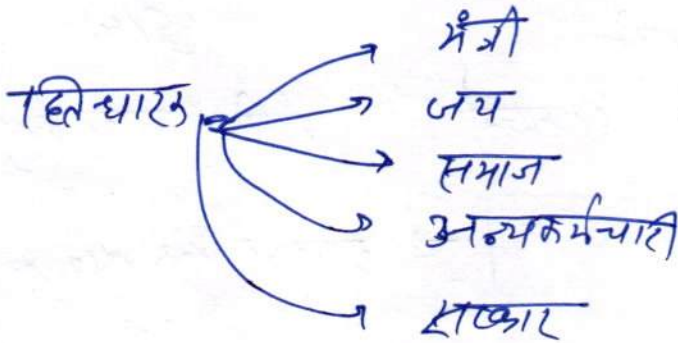
Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20

प्रस्तुत मामला राजनेता पञ्चासन के बीच गठजोड़ एवं विव्यक्तता से जुड़ा है।



Ans. (a)

जय के पास विविध स्वै उनका मूल्यांकन

- ① मान्यता **नियुक्ति रोक डेवे** और जॉन के लिए ^{अती सजैसी} ~~को बढ़े~~
- | पक्ष | विपक्ष |
|-------------------------------------|-------------------------------------|
| → विविध प्रथाओं पर नित्य-
दृष्टि | → मंत्री से मत भेडें बंद |
| → मॉरिटे व्यवस्था का
समर्थन है | → टूमेकर की संभावना |
| → Example निर्धारित-
दोष | → व्यक्तिगत प्रताड़ना
की संभावना |
| → जय की-द्वि सुधारों | |

2) त्रिभुज के दो

पक्ष	प्रतिपक्ष
→ सापेक्षिक प्रयोज्य इंडिसेट पर्यन्तित नहीं	→ अयोग्य इंडिसेट पर्यन्तित इससे मागे शिक्षा प्रणाली इतिहास
→ प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष प्रशासनिक एवं सामाजिक स्वीकृति	→ मंजी के साथ positive relation (होगा)
	→ ट्रांसफर एक मापदंड

Aus 5

अथवा चाल व बंद विचार

- 1) त्रिभुज उल्लंघन चाल एक मागे स्वीकृति टेस्ट चिन्ता जलके
- 2) संभव है कि स्वीकृति टेस्ट मूल टेस्ट के बंद-गिडि है।
- 3) शिक्षा विभाग स्तर की स्वीकृति - जॉय के लिए बंद एक समीक्षा बंद गई जा सकती है।
- 4) जहाँ परिक्षा अनुचित प्रयोग एक के अवधानों अनुकूल दक्षिणो पर है।

की आवश्यकता जांचवाही करो

- ① मंत्री के दफ्तर में न आकर मंत्री परीक्षा की पुनर्परीक्षा के लिए मंत्री एजेंसी को कहे।

Ans. C

सिविल सेवाओं को सुरक्षा उपाय

- ① सिविल सेवा बोर्ड (TSR सुझावनामक वाड 2014) का गठन कर ड्रॉमफ्ट माडि सुनिश्चित अवधी तक की जाएँ
- ② सुरक्षा के पर्याप्त व्यवस्था की।
- ③ अक्ष 311 के तहत पर्याप्त सुरक्षा के उपाय किए जाएँ
- ④ पुरस्कार नीति के तहत ऐसे सेवाओं को प्रोत्साहित किया जाएँ
- ⑤ राज्य सरकार ऐसे अधिकारियों को वारिष्ठ पदोन्नति एवं बृहतर

डिपार्टमेंट में लेनाही दी जाएँ
⑥ अपने विचारों को सही रूपों का
रखना तथा लिखना चाहिए।

कुल फिलॉसफी, गणित, (संस्कृत,
पुराणा, एवं भाषा संहिता जैसे मजबूत
उपाय जय जैसे निवृत्त सेवकों के लक्षण
में महत्वपूर्ण हैं)

X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

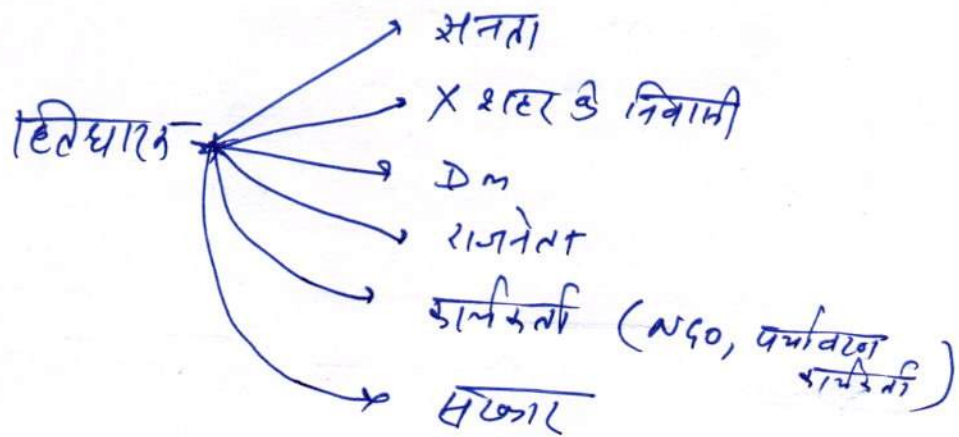
The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

20

अपेक्षित मापना विभिन्न वनायु पर्यावरणों से संबंधित हैं जो विभिन्न पर्यावरण संरक्षण कानूनों पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, वन अधिनियम 1980, वन संरक्षण अधिनियम 1981 से निपटने की आवश्यकता है



Aus. 9

शांति नैतिक उपविधा

- ① विभिन्न वनायु पर्यावरण
- ② जनहित पर पर्यावरण को सुरक्षित
- ③ दोनों सामुदायिक लोगों के बीच विशेषज्ञता
(वन संरक्षण और परिवहन विभाग)
- ④ जनता की दोनों आवश्यकताओं में उपविधा
(परिवहन वनायु पर्यावरण)

① राजनीतिक/जन दल US प्रशासन की जिम्मेदारी

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans. b

अपलब्ध प्रकल्प एवं उनका मूल्यांकन

① प्रोजेक्ट ~~का~~ स्थापित कर दे

पक्ष

विपक्ष

- विकास आस्थागित
- परिचोजना विवेशकों के हानी
- जनता की अपेक्षाएँ धुक्लिन
- वन संरक्षण के

- विवेशक हलोकमाहिर-
- विनीय हामि
- परिचोजना लागत बढ़ेगी

② प्रोजेक्ट स्थापित न करे

पक्ष

विपक्ष

- परिचोजना समयबद्ध पूरी
- विवेशक प्रोयसाहिर तही
- जतना को लाग

- वनों की हानि
- पर्यावरण को लाग
- राजनीति - कार्यकर्ता विरोध

सर्वश्रेष्ठ कार्यवाही

→ पर्यावरण प्रभाव आँकलन जनजागीरती से

- ↳ पर्यावरण को धरि की वैकल्पिक शक्तिपुर्ति
विशेषों का प्रयोग करताये रखने
के जेजेस्ट की प्रेरणा
- ↳ सफ़ारी नीतियों पर खोजना से पहले
ही व्यापक क्लेशों
- ↳ विरोधकर्तियों को जानने के बारे में बताना

Ans. C

विशाल वनाम् पर्यावरण सुरक्षा के उपाय

- ① LEA पर परियोजना के लिए अनिवार्य है
- ② पर्यावरण को व्यापक शक्तिपुर्ति पहुँचाते
वासी परियोजनाओं को राठ दिया जाए
- ③ योजनागत कर्तव्य अवश्य राठि
वने अनुसार पूर्व में ही निर्णय लिखा
जा सके
- ④ पर्यावरण शक्तिपुर्ति का प्रवधान
दिया जाए

① जनता से प्रोग्रेस शुरू करने से पूर्व
उद्यमक विचार - विचार -

② प्रोग्रेस के लाभ - धर्म के बारे में
पूर्व में ही विद्योक्ता को समझाया जाये

निष्कर्ष: अग्रोभूत उपाय संतुलन करने
में सफल होंगे।

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहीनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त मामला स्वीडिश हाइल ही उप्युर्गता
ले पहले धवा रीलिज ले मर्यादित हो

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Ans. a

वैतधारक एवं उन्डि वैत-

- ① कंपनी → लाय उमाना
- ② बॉर्ड → "
- ③ ऑ मैडर → इग ओ फिशवसनीय एवं वैसाकि
भनुकय बनाना
- ④ जनता → अच्छी स्वास्थ सेवा पावतउरना
- ⑤ लष्कार → उपर्युक्त नियमन पुगिशिधितउरना
(FSSAI, DCE)

Ans. b

वैतिक मुड्डे (मेहरा ओ उे माधते)

- ① पारदर्शिता :- धवा बी पूर्ण हाइल
से पहले रीलिज ओ हुपाना
पुनानीपुन
- ② कंपनी बॉर्ड
अदकप → वने निविचो उे फेरीर

अर्प उन्ही पदोन्तरी की खोजकादी करेगा

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin!

③ जनता का रक्षक

↳ वे नरोला इन्डे कंपनी से अचिर द्वारा का नरोला (खली) हो

④ बिनिपमन → अचिर बिनिपम एउतिश्चित करता हूंग डेवल्पर के रूप में मेहरा जी का हों

⑤ आनुपातिकता → क्योकि अधिकांश स्ट्राल पाव फुर्न थे पुडे ह वश आशिये आंफधारिकता इही जातक न पड जाये

Ans. c

डॉ मेहरा के पास उपलब्ध विकल्प

① इन्दी बोर्ड के निर्णय को मना करे

पक्ष	विरुध
→ जन। हित एउतिश्चित	→ हमले कीडित व्यक्तियों को द्वारा अक्ति मेंडरी
→ इन्दी को कोई नफा नुसमान नहीं	→ डॉ मेहरा-के सक्रिय कर विपरीत पाठिकात

② कंपनी बॉर्डर डिनिशियन को मान लेवे

प्रश्न

जिवाडा

- अल्प-दा रीजिन
- मरीजों के लिए फाइनेंस
- कंपनी को लाभ

- दुल्प्रभाव कंपनी की धारि-खरख करेगे
- विनियमन / SOPs को न मानना कंपनी के अविषय में नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगे

मरीजों का चयनित विकल्प

- ① कंपनी बॉर्डर में अतिम चयन के दुष्परिणामों से बचक रचना ताकि वे लक्ष्य तक
- ② SOPs / विनियमन के बारे में स्पष्ट-रचना
- ③ अन्य कोई उदाहरण जो इस तरह दृश्य न करने के चलते प्रभावित हुए उनका ध्यान करना
- ④ कंपनी बॉर्डर से कुछ समय भौगना और दृश्य प्रक्रिया की-गति को बढ़ावा देना
- ⑤ दिन-रात काम कर कार्य को जारी

पुरा करना ताकि कंपनी के हित और
जनता के लाभ प्रभावित नहो

⑥ FSSAI विनियमों, DCGI के
विनियमों अनुरूप ट्राइल प्रक्रिया पूरी
कर एक माईश ड्रग डवलपर के रूप
में डॉ. के. वि. सिद्धा और पालक राज

इपरसेट प्रक्रिया में ड्रग जलाहति
एवं मेरी वैल्यूता की स्थापना में सहायक होगा

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?
- आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

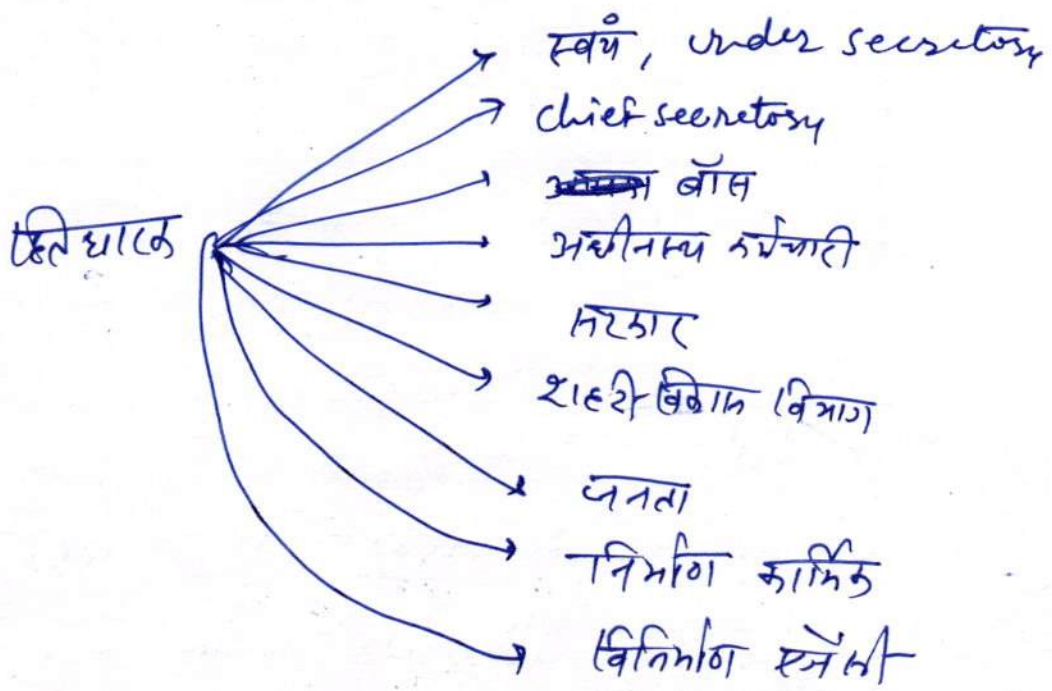
Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
- (c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

प्रमुख मामला शहरी विद्या परिभोजना में
जति डेने के साथ-साथ शिथिल कर्मचारियों
एवं अवलंबित शक्ति अधिकारियों द्वारा क्रेडिट
लेने से संबंधित है।



Aus-9

शामिल नहीं है

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

① प्रस्तावत का अभाव

↳ अधिकारियों में योजना के लिए प्रस्तावत
की कमी है क्योंकि वे कार्य करते
हैं क्रेडिट कार्ड और ले जाता है।

② उच्च स्तरों से सहयोग की कमी के चलते
परियोजना हर चरण में उशी होगी

③ शुद्ध अधिकारियों द्वारा अधिकारियों के कार्यों
की प्रशिक्षण न कर क्रेडिट ले जाता

④ स्वास्थ्य कार्य लक्ष्य के अभाव
विकास विभाग में अभाव

⑤ स्वच्छता संरक्षण एवं सांस्कृतिक पहलुओं
के प्रति गौरव का विभाग में अभाव
न देना

⑥ जन की कम भागीदारी एवं शासन
द्वारा प्रशासनिक कार्य

Aus.

कार्य संस्कारों का मनोबल एवं उत्पादकता पर प्रभाव

① उत्पादन के अभाव में व्यक्ति को
मालमूल्य एवं सामाजिक मुद्दों की किल्ली

② ^{व्यवस्थापकों से} अधेलापन का भाव पैदा जिससे उत्पादकता कम

③ व्यक्ति जिम्मेदारी लेने से उत्तरदायित्व
एवं की भावना कार्य संस्कारों को ही किल्ली
होती

④ स्वल्प कार्य संस्कारों अतिशय को भी संभव
बना देती हैं

⑤ स्वल्प कार्य संस्कारों उत्पादकता को भी
बढ़ाती हैं

⑥ कर्मचारियों के आपसी संबंध कार्य संस्कारों
से ही बढ़ते हैं

⑦ बुरे कार्य संस्कारों लागू न होने से ही पर-
प्रदर्शन एवं पथ-दलन दोनों रूप
में (विद्यमान हैं)

Aus. C

उपलब्ध विषय

- ① परिश्रोजना कार्य से हॉट डे
- ② परिश्रोजना में सहयोगियों को छोड़ना है
कर समय - पर पूरा करे
- ③ परिश्रोजना की डरी के साथ संग्रहीत
कर लेवे

लिखाधान

- ① संपन्न उदाहरणों द्वारा कर्मचारियों को
प्रोत्साहन का बीनागर में SDA द्वारा
- ② उच्चतमों से निरंतर संपर्क [ताकि लक्ष्यों
में व्यवधान की जांच कर सकें]
- ③ जान - सहयोग को बढ़ावा (ताकि लागूदायित्व
शुभ एवं निरुत्कृत निकाएँ प्राप्त हों)
- ④ वेबिनागत निरक्षण पर NCR ले
लेहयोग
- ⑤ कर्मचारी संचालन - उच्चतम कीर्ति
दिग - पालिका ताकि कार्य लक्ष्य को

12.

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

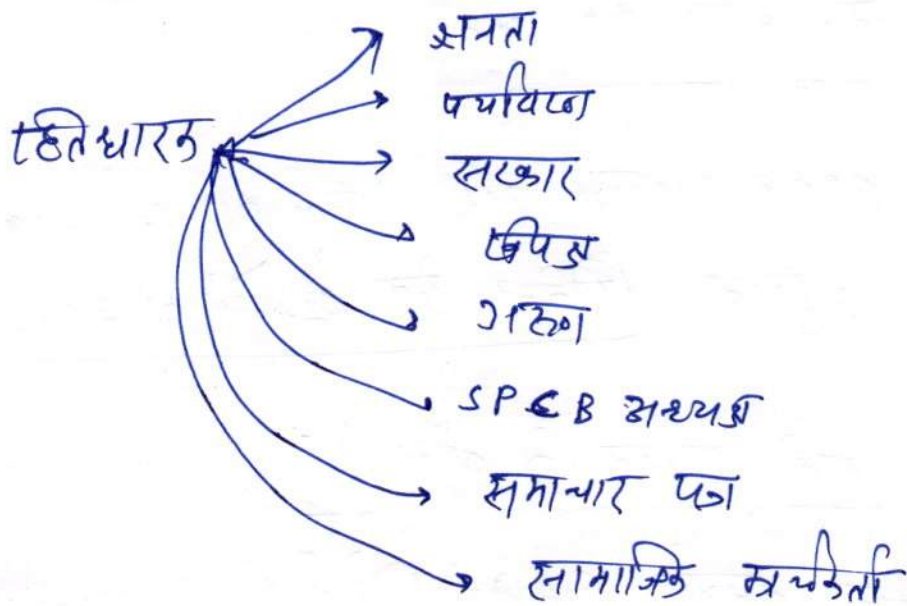
While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त मामले पर्यावरण संरक्षण Act 1986 के अंतर्गत Environment Impact Assessment के नियमों से राज्य सरकार और राज्य मंत्रिमंडल के निर्णयों से संबंधित हैं।



Ans. a

मामले में नैतिक मुद्दे

① पर्यावरण नियमों की अवहेलना

कानून के सभी नियमों का

अनुपालन नहीं कर

अध्यक्ष ने सूखा का पत्र लेकर पत्रिका को हानि पहुँचाने का आरोप

② कार्पोरेट - राजनीति गजेट एवं उसका पत्रिका पर हानिकारक प्रभाव

③ Hierarchy में मतभेद

अलग और अध्यक्ष के बीच

④ सत्यता का मुद्दा

SPCB अध्यक्ष और अलग का पत्र-पत्रिका प्रभाव सिक्किन के मुद्दों का हानि उत्पन्न है

⑤ सही - गलत के बीच डंड

अभी वर्तमान CFA रिपोर्ट की सत्यता का प्रत्यक्ष परीक्षण खिता राय निहित अलग आधिकारिक हो सकता है

⑥ नॉकरशाही और कार्पोरेट - राजनीति के प्रश्न से अंगी कैंफिलिज्म और

Conflicting peddling का मुद्दा

Aus-6

उपलब्ध विकल्प एवं उतसा मूल्यांकन

उम्मीदवारों को इस शीट में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① ~~अध्ययन~~ अध्ययन के ELM proposal से स्वीकार में

उत्सा

विकल्प

- अध्ययन - सचीकत संबंध सतत
- काम में डेरी नहीं होगी
- राजनीति (धर) में प्रभावित नहीं

- दोनों के संबंधों में मेंड पैडा
- काम में डेरी होगी
- विकल्प मुझे तो ज्वलित होगा
- अखण्ड के लिए ही संभावना

② अध्ययन के ELM प्रस्ताव पर पुनर्विचार करें

धर

विकल्प

- ELM रिपोर्टों की पूर्ण अनुपालता
- शासन की दृष्टि सुधरेगी
- जनता - प्रशासन संबंध बढ़ेंगे

- अध्ययन दस्तावेज बढ़ा सतत है
- विकल्प से मिले का आरोप नगेगा
- काम में व्यवधान
- सुझाव पैडा प्रभावित
- कंपनी काय राजनीति दस्तावेज

मैं डारा चयनित किल्य

- ① अध्यक्ष को विपक्ष के पत्र के बारे में विचार के चर्चा करूँगा ताकि कोई समझौता भी नहीं निकली जा सके।
- ② दुबारा एम की अनुमति लेने के लिए प्रयास करूँगा।
- ③ विपक्ष को मुझे को जनता-प्रेस के सामने लाने के लिए अपुत्पन्न करूँगा।
- ④ अध्यक्ष के प्रस्ताव को रोककर दुबारा एम की प्रक्रिया शुरू करूँगा।
- ⑤ लक्ष्मी दामन के वाक्यों पर चर्चा के दौरान पर कल उठकर राष्ट्र सभ के एम पूरे होते तक स्थगित करूँगा।

विपक्षीय अर्थों में ज्ञात पर्याय (एम) स्थ 1986 की मूल अवस्था को बनाये रखने में तैयार रहूँगा।

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

